



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 257]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 6, 1992/ज्येष्ठ 16, 1914

No. 257]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 6, 1992/JYAISTHA 16, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही आती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विस मंत्रालय
(आधिकारीक विभाग)

(विभिन्न प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 1992

सा.का.नि. 585(अ).—बोर्डीय सरकार, विशेष न्यायालय (प्रतिभूति संव्यवहार संबंधी अपनाम विचारण) प्रधानमंत्री, 1992 की द्वारा 14 द्वारा प्रदत्त जाकिसों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अधिकृत:—

(1) संवित्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन] नियमों का संवित्त नाम विशेष न्यायालय (प्रतिभूति संव्यवहार संबंधी अपनाम विचारण) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. जानकारी के लिए:—विशेष न्यायालय (प्रतिभूति संव्यवहार संबंधी अपनाम विचारण) प्रधानमंत्री, 1992 की (जिसे इसमें इसके पश्चात् अध्यादेश कहा गया है) द्वारा 3 की उपचारा (1) के अधीन नियुक्त अधिकारी, निम्नलिखित द्वारा लिखित रूप में अपने को अधिकारी को अवक्षितगत

रूप से दी गई या इक द्वारा भेजी गई किसी जानकारी या विज्ञापन को विचार के लिए ग्रहण कर सकेगा, अर्थात्:—

(क) भारतीय लिंग देंगे;

(ख) किसी देंगे या विसीय संख्या;

(ग) सरकार के किसी प्रबंधन या अन्येयण अधिकारण या विभाग;

(घ) सरकार के किसी अधिकारी या प्राधिकारी;

(इ) किसी व्यक्ति जो अवहारी, अधिकारी या दलाल के रूप में प्रतिभूतियों के संव्यवहार में लगा हुआ है;

(ज) किसी ग्रन्थ व्यक्ति जिसके प्रतिभूतियों में अधिकारों या हितों पर प्रभाव पड़ता है;

परन्तु खण्ड (क) और खण्ड (ज) में लिखित किसी व्यक्ति द्वारा भेजी गई जानकारी या विकायत अधिकारक द्वारा ग्रहण नहीं की जाएगी यदि उसके साथ उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षित और किसी भौतिक या नोटरी पञ्चिक द्वारा सम्पर्क रूप से संवादित जाप-पत्र नहीं है।

(3) वे मामले जिनमें अधिकारी की अस्तीकार कर सकेगा : जहाँ किसी आनंदकारी या शिकायत के साथ उस आनंदकारी या शिकायत में निविट वस्तावेदों की प्रतियोगी नहीं है, या वह स्पष्ट नहीं है कि उसमें वेचक का नाम और उस नहीं है वहाँ ऐसी आनंदकारी या शिकायत को अधिकारी कर सकेगा।

(4) प्रविष्टुचित करने के लिए यहाँ :—यदि अधिकारी आता प्राप्त तात्परिक आनंदकारी या वस्तावेदों, अध्यावेद भी बात 3 की उपचारा (2) में निविट अपराध गठित करने के लिए उत्तमी राय में पर्याप्त है तो वह उस उपचारा के अधीन उस अधिकारी का नाम प्रविष्टुचित करने के लिए कार्यवाही कर सकेगा।

[फा.सं. 6/2/92 सं. (i)]
के.जे. रेडी, अधिकारी, अधिकारी संघीय

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 1992

G.S.R. 585(E) :—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Special Court (Trial of Offences Relating to Transactions in Securities) Ordinance, 1992, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :

(1) These rules may be called the Special Court (Trial of Offences Relating to Transactions in Securities) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Sources of information : The Custodian appointed under sub-section (1) of section 3 of the Special Court (Trial of Offences Relating to Transactions in Securities) Ordinance, 1992 (hereinafter

referred to as the Ordinance) may entertain for consideration any information or complaint in writing submitted personally or sent by post to him by—

- (a) the Reserve Bank of India;
- (b) any bank or financial institution;
- (c) any enforcement or investigating agency or department of the Government;
- (d) any officer or authority of the Government;
- (e) any person who is engaged in transactions of securities as a dealer, agent or broker;
- (f) any other person whose rights or interests in securities are affected:

Provided that the information or complaint sent by any person referred to in clauses (e) and (f) shall not be entertained by the Custodian if it is not accompanied by an affidavit signed by that person and duly verified by a Magistrate or a Notary Public.

3. Cases in which Custodian may reject information : Where an information or a complaint is not accompanied by copies of documents referred to in the information or complaint or is vague or does not contain the name and address of the sender, such information or complaint may be rejected by the Custodian.

4. Condition for making notification : If the material information or the documents received by the Custodian are sufficient in his opinion, to constitute an offence referred to in sub-section (2) of section 3 of the Ordinance, he may proceed to notify the name of the person under that sub-section.

[No. F.6/2/92 Vig.(i)]
K.J REDDY, Additional Secy.